एस्ट्रोलॉजी के हिसाब से ही पहनें जेम्स

पहले परखें, फिर पहनें

प्रियंका चोपड़ा. चंडीगढ़

कहते हैं जेम्स स्टोन पहनने से

किस्मत के सितारे चमकते हैं, लेकिन अगर जेम्स को नक्षत्रों के मुताबिक न पहना जाए तो इनका बुरा प्रभाव भी पड़ता है। अगर आप जेम्स स्टोन डालने के शौकीन है, तो इन्हें अपनी राशि के हिसाब से ही पहने। दूसरी बात आमतौर पर लोगों को असल जेम्स की नॉलेज नहीं होती जिस कारण कई बार वह अपने को ठगा सा महसूस करते हैं, लेकिन अब आपको इसकी असल पहचान कराएगा 'जीया'।

इसके लिए 'जीया' (जेमोलोजिक्ल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका) अब नए कोर्सेस शुरू करने जा रहा है। इनसे स्टूडेंट्स को रियल और आर्टिफीशियल जेम्स का पता चलेगा। गवर्नमेंट म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी सेक्टर-10 में शनिवार को हुई कॉन्फ्रेंस में जीया के रेजीडेंट जेमोलोजी इंस्ट्रक्टर अमित कपूर ने बताया कि आजकल कलर्ड स्टोन फैशन का है, लेकिन आम इंसान को एक्चुअल और आर्टिफीशियल स्टोन का पता नहीं चलता। एस्ट्रोलॉजी में बढ़ते विश्वास के कारण लोगों का झुकाव जेम्स की तरफ हो गया है। लेकिन सही जेम्स की परख लोगों को नहीं है। इसलिए जेम्स और ज्वैलरी की नॉलेज और सर्टीफाइड स्टोन जीया लोगों को देगा।

मुंबई में ट्रेनिंगः अमित कपूर ने बताया कि जीया मुंबई में स्पेशल कोर्स कराता हैं। जीया से कोर्स करने वाले जो भी स्टूडेंट जहां भी जॉब करते हैं वहां जीया अपने इंस्ट्रूमेंट्स रखता है, जिनसे स्टूडेंट जेमोलॉस्टिल लोगों को असली और नकली जेम्स की पूरी जानकारी देता है। इन कोर्सेस की अवधि 8 दिन, 7 हफ्ते, 9 हफ्ते, 19 हफ्ते और 26 हफ्ते की होती है। जिसमें ग्रेजुएट डायमंड्स, ग्रेजुएट कलर्ड स्टोन, ग्रेजुएट जेमोलोजिस्ट और एक्रीडेटिड ज्वैलरी प्रोफेशनल जैसे कोर्स शामिल हैं। जीया देश में दूसरी सबसे बड़ी जेम्स और डायमंड के लिए लैब खोलने जा रहा है।

माइक्रोस्कोप से कराया जाएगा जजः मनीमाजरा के सेठी सन्स ज्वैलर के सोली सेठी (जेमोलॉजिस्ट) ने बताया कि जेम्स और डायमंड खरीदने आए लोगों को पहले डायमंड और बाकी के जेम्स के बारे में बताया जाएगा। तकनीकी जानकारी के लिए माइक्रोस्कोप और रिफ्लेक्टोमीटर जैसे इंस्ट्रूमेंट के जरिए जेम्स और डायमंड को जज कराया जाएगा।

6 सी से करें पहचानः असली जेम्स और डायमंड की परख करने के लिए जरूरी है 6 सी की नॉलेज होना। जो हैं-कलर, क्लैरिटी, कट, कैरेट, कॉस्ट और कॉन्फीडेंस। 6 सी जेम्स को पहचाने में मदद करते हैं और 4 सी (कलर, क्लैरिटी, कट, कैरेट) डायमंड को। इन सभी चीजों को स्पेशल इंस्ट्रूमेंट और जेमोलॉजिस्ट की मदद से पहचाना जा सकता है।

उभरती फील्ड है जेमोलॉजीः अमित कपूर ने बताया कि जेमोलोजिस्ट की डिमांड ज्वैलरी की फील्ड में बढ़ती जा रही है। यह क्वालिफिकेशन लेने के बाद जेम्स और डायमंड की पूरी नॉलेज हो जाती है। अब हर ज्वैलरी शॉप में जेमोलॉजिस्ट रखना लोग प्रेफर करते हैं।

जेम्स का है फैशनः आईएनआईएफडी की डायरेक्टर रितु कोछड़ ने बताया कि फैशन इंडस्ट्री में भी जेम्स का फैशन बढ़ रहा है। इसलिए फॉर्मल और डेली वियर के डिफरेंट डिजाइन मार्केट में अवेलेबल हैं। जोधा-अकबर मूवी के बाद तो एथनिक ज्वैलरी का फैशन ज्यादा हो गया है।

■ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सोली सेठी ने जानकारी दी। -भास्कर

■ अमित कपूर।

अहम बातें

■ कैरेट बढ़ने से जैम का रेट भी बढ़ता है। ■ येलो स्फाइयर की चमक दोपहर के सूरज की किरणों की तरह होती है। ■ एक्वा मरीन पर्ल समुद्र के रंग की तरह होता है। ■ ब्लू सफाइयर रॉयल ब्लू की लुक की तरह होना चाहिए। ■ जेम्स में ज्यादा कट्स नहीं होने चाहिए सिंगल जैम ही अपना असर दिखाता है। ■ कश्मीर सफायर, बसरा पर्ल और टेनजेनाइट जैम के बारे में इंडिया के लोग ज्यादा नहीं जानते। क्योंकि यह जेम्स यहां नहीं मिल पाते। टेनजेनाइट जैम यूएसए में काफी पॉपुलर है। ■ बैंकॉक जेम्स का सबसे बड़ा ट्रेडिंग सेंटर है।

बताती है एस्ट्रोलॉजी ■ सबसे छोटी उंगली में पन्ना डालना चाहिए जो मांइड के साथ कनेक्ट करता है। ■ रिंग फिंगर में रूबी पहनना चाहिए जो बॉनस के लिए पहना जाता है। ■ शनि फिंगर में बॉडी और बिजनेस के लिए नीलम पहनना जाता है। ■ इंडेक्स फिंगर में एजूकेशन के लिए पुखराज पहना जाता है।